सीएसआईआरआर के महानिदेशक डॉ शेखर सी. माण्डे का सीएसआईआर-सीरी दौरा

बदलती जरूरतों के अनुसार ज्ञान को अद्यतन करें वैज्ञानिक : डॉ माण्डे

पिलानी। वैज्ञानिक तथा औद्योगिक अनुसंधान परिषद (सीएसआईआर), नई दिल्ली के महानिदेशक एवं वैज्ञानिक तथा औद्योगिक अनुसंधान विभाग (डीएसआईआर), भारत सरकार, के सचिव डॉ शेखर सी माण्डे ने रविवार को पिलानी स्थित सीएसआईआर की राष्ट्रीय अनुसंधान प्रयोगशाला केंद्रीय इलेक्ट्रॉनिकी अभियांत्रिकी अनुसंधान संस्थान (सीएसआइआर-सीरी) का दौरा किया। इस दौरान डॉ शेखर माण्डे ने संस्थान की शोध गतिविधियों का अवलोकन किया और सीरी के वैज्ञानिकों और अन्य सहकर्मियों से चर्चा की।

सीरी आगमन के दौरान उन्होंने संस्थान के शोध क्षेत्रों (साइबर फिजिकल सिस्टम्स, स्मार्टसेंसर्स और माइक्रोवेव डिवाइसेज) की शोध सुविधाओं का भी अवलोकन किया। डॉ माण्डे सभी सहकर्मियों से रू-ब-रू भी

हुए। इस अवसर पर संस्थान के वैज्ञानिक, प्रशासनिक तथा तकनीकी सहकर्मी उपस्थित थे। प्रोफेसर शान्तनु चौधुरी, निदेशक, सीएसआईआर-सीरी ने डॉ माण्डे का स्वागत किया। उन्होंने संस्थान महानिदेशक को संस्थान की शोध गतिविधियों के संबंध में जानकारी दी। संस्थान के सहकर्मियों को संबोधित करते हुए उन्होंने देश के विकास में सीएसआईआर की भूमिका को रेखांकित किया। उन्होंने सीएसआईआर को अत्यंत जीवंत, सुदृढ़, गतिशील व महत्वपूर्ण संगठन बताते हुए कहा कि देश की आजादी से पूर्व स्थापित इस संगठन ने आरंभ से ही अपना योगदान न केवल देश के वैज्ञानिक एवं औद्योगिक विकास में दिया है अपितु कृषि के क्षेत्र में भारत को आत्मनिर्भर बनाने में सीएसआईआर का बड़ा योगदान रहा है। उन्होंने बताया कि सीएसआईआर से देश की अपेक्षाएं समय के अनुसार बदलती रही हैं। आजादी के समय अपेक्षाएं अलग थीं और आज के दौर में अलग हैं।

डॉ माण्डे ने कहा कि सीएसआईआर ने सदैव स्वयं को देश की अपेक्षाओं के अनुसार ढाला है और हमेशा देश के जनमानस की आवश्यकताओं के अनुरूप कार्य किया है।

वैज्ञानिकों द्वारा विकसित प्रौद्योगिकियों के उद्योगों को हस्तांतरण के संबंध में संस्थान के वैज्ञानिकों से चर्चा करते हुए उन्होंने कहा कि प्रत्येक व्यक्ति को अपना कार्य सही लगना स्वाभाविक है परंतु हमें एक उद्यमी के नजरिए से अपने कार्य का निष्पक्ष एवं ईमानदारी से स्वयं मूल्यांकन करना चाहिए और उद्योगों की अपेक्षाओं पर खरा उतरने का प्रयास करना चाहिए। सीएसआईआर-सीरी की शोध सुविधाओं की प्रशंसा करते हुए उन्होंने कहा कि उनका सीरी दौरा अत्यंत लाभदायक रहा है। सीएसआईआर प्रयोगशालाओं में उपलब्ध सुविधाएं देश के अन्य शोध संगठनों सहित आईआईटी जैसे शिक्षण संस्थानों में नहीं हैं।

उन्होंने इस अवसर पर सीएसआईआर प्रयोगशालाओं और आईआईटी सहित देश के शैक्षणिक संस्थानों की साझेदारी पर भी बल दिया। उन्होंने देश की बदलती जरूरतों के अनुसार सभी वैज्ञानिकों से अपने ज्ञान को निरंतर अद्यतन करने की आवश्यकता पर बल दिया और नए अनुसंधान कार्यों से देश की प्रगति में अपना योगदान देने का आह्वान किया।

अंत में प्रोफेसर शान्तनु चौधुरी, निदेशक, सीएसआईआर-सीरी ने संस्थान की ओर से स्मृति चिह्न भेंट कर सीएसआईआर के महानिदेशक डॉ शेखर सी. माण्डे का सम्मान किया।